माडल टेस्ट पेपर 2020

बी०एड० I

अवधि- 3:00 घण्टे

पेपर - III

Note : (i) पाँच प्रश्नों के उत्तर दे। (ii) प्रश्न न० 01 अनिवार्य है। (iii) खण्ड 'अ' से दो प्रश्न अनिवार्य है। जबकि खण्ड 'ब' से भी दो प्रश्न करना अनिवार्य है।

प्रश्न न०(1) निम्नलिखित में से प्रत्येक भाग का उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए:

(a) पबज्जा और उपसम्पदा संस्कार की विशेषताएँ।

(b) उपनयन और समापवर्तन ।

(c) मध्यान्ह - भोजन योजना ।

(d) शान्ति शिक्षा का महत्व ।

(e) बौद्ध शिक्षण संस्थाएँ ।

(f) मुस्लिम शिक्षा के उद्देश्य ।

(g) बहुउद्देशीय विद्यालय ।

(h) नवोदय विद्यालय ।

(i) भारतीय विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता ।

(j) समान विद्यालय व्यवस्था ।

खण्ड - 'अ'

1000 शब्दों में उत्तर दीजिए

2. वैदिक कालीन शिक्षा की प्रमुख विशेषताओं की विवेचना कीजिए। आधुनिक शिक्षा प्रणाली में इसकी उपादेयता का उल्लेख कीजिए।

3. बौद्धकालीन शिक्षा की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

4. मैकाले के विवरण पत्र के महत्व का मूल्यांकन कीजिए।

Scanned with CamScanner

5. वुड के घोषणा पत्र पर एक लेख लिखिए।

6. कोठारी आयोग की संस्तुतियों पर प्रकाश डालिए।

7. मुदालियर आयोग का माध्यमिक शिक्षा के विकास में योगदान का मूल्यांकन कीजिए।

8. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 का मूल्यांकन कीजिए।

9. विश्वविद्यालय आयोग (1948-49) की प्रमुख संस्तुतियों का वर्णन कीजिए

खण्ड - 'ब'

500 शब्दों में उत्तर दीजिए

9. (a) प्राच्य-पाश्चात्य विवाद के प्रमुख कारण क्या थे?
(b) एम रिपोर्ट का मूल्यांकन।

10. (a) गोखले विधेयक (1910-12) की प्रमुख संस्तुतियों का वर्णन कीजिए
(b) वर्धा शिक्षा योजना के उद्देश्य एवं विशेषताएँ क्या है?

11. (a) मकतब और मदरसा में अन्तर।
(b) 'ऑपरेशन ब्लैक बोर्ड' योजना की विवेचना कीजिए।

12. (a) हर्टांग समिति में अपव्यय एवं अवरोधन क्या था, स्पष्ट कीजिए।
(b) चार्टर एक्ट 1813 पर प्रकाश डालिए।

13. (a) शिक्षा के लिए संवैधानिक व्यवस्था।
(b) सैडलर कमीशन के क्या प्रावधान थे?

14. (a) त्रिभाषा सूत्र से आप क्या समझते हैं?
(b) स्त्री शिक्षा के विकास पर प्रकाश डालिए।

15 (a) कर्जन की शिक्षा नीति पर टिप्पणी लिखिए।
(b) राष्ट्रीय शिक्षा नीति और भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन (औपनिवेशिक कालीन)

Scanned with CamScanner

बी० एड० प्रथम वर्ष चतुर्थ प्रश्नपत्र
'शैक्षिक प्रशासन एवं प्रबन्धन' 2018
खण्ड-अ'

1- - शैक्षिक प्रशासन से आप क्या समझते हैं, इसके लक्ष्य, उद्देश्य एवं प्रकारों व आवश्यकताओं का वर्णन कीजिए।

2- - माध्यमिक विद्यालयों में पाठ्य-सहगामी क्रिया-कलापों के आयोजन की आवश्यकता, प्रकार एवं समस्याओं की विवेचना कीजिए।

3 - शैक्षिक प्रबन्धन से आपका क्या तात्पर्य है? विद्यालय में प्रधानाध्यापक की भूमिका एवं उसके प्रबन्धकीय गुणों की विवेचना कीजिए।

4 - उत्तर प्रदेश में शैक्षिक प्रशासन की संरचना का वर्णन करते हुए विद्यालय संचालन हेतु अपने सुझाव दीजिए।

5 - माध्यमिक विद्यालयों में प्रचलित निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण व्यवस्था की विवेचना कीजिए। यह आधुनिक पर्यवेक्षण की संकल्पना से किस प्रकार भिन्न है।

6 - (शैक्षिक) निर्णयन से आप क्या समझते है? शिक्षा में निर्णय की आवश्यकता एवं प्रकारो का वर्णन कीजिए।

7 - शैक्षिक प्रशासन एवं प्रबंधन को समझाते हुए इनके मध्य अन्तर स्पष्ट कीजिए।

8 - केन्द्र सरकार की शिक्षा में क्या भूमिका है इसकी शैक्षिक प्रशासन की संरचना का वर्णन कीजिए।

Scanned with CamScanner

यह कैसे आवश्यक है। खण्ड_ब

खण्ड - ब

10 — अभिभावक शिक्षक संघ की आवश्यकता / भूमिका एवं कर्तव्य की विवेचना कीजिए।

11 — शैक्षिक व्यवस्था में समुदाय / समाज की सहभागिता की आवश्यकता पर प्रकाश डालिए।

12 — विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के कार्यों का वर्णन कीजिए।

13 — संस्थागत स्तर पर विभिन्न प्रशासनिक कार्यों को समझाइए।

14 — शिक्षा में राज्य शिक्षा विभाग / राज्य सरकार के कार्यों का वर्णन कीजिए।

15 — जिला शिक्षा प्रशिक्षण संस्थान को समझाइए।

16 — संस्थागत स्तर पर विभिन्न प्रशासकीय कार्यों का वर्णन कीजिए

17 — पुरस्कार एवं दण्ड से क्या आशय है अच्छे शैक्षिक वातावरण के सृजन में यह किस प्रकार उपयोगी है।

18 — विद्यालय के प्रबन्ध एवं प्रशासन में अध्यापकों की भूमिका।

19 — संस्थागत अनुशासन से आप का क्या अभिप्राय है संस्थाओं में अनुशासनहीनता के कारणों के निवारण में अपना सुझाव दीजिए।

20 — शैक्षिक नियोजन से आप क्या समझते हैं, का वर्णन कीजिए।

* समय सारणी के महत्व पर प्रकाश डालिए?
* सूक्ष्म शिक्षण से आप क्या समझते हैं? इसकी विशेषताएँ बताइए?
* ग्राम शिक्षा समिति की भूमिका बताइए।
* ब्लाक संसाधन केन्द्रों की भूमिका बताइए

Scanned with CamScanner

बाल्यावस्था एवं उसका विकास

1. निम्नलिखित प्रत्येक पर 200 शब्दों में टिप्पणी लिखिए-

(क) शिक्षा मनोविज्ञान का अर्थ ।

(ख) मापन और मूल्यांकन में अन्तर ।

(ग) संरचनात्मक एवं योगात्मक मूल्यांकन ।

(घ) अभिप्रेरणा के घटक ।

(ङ.) वृद्धि एवं विकास

(च) बुद्धि लब्धि

(छ) केन्द्रीय प्रवृत्ति का अर्थ ।

(ज) सीखने की प्रक्रिया ।

खण्ड - अ

2- अधिगम के अनुकूलित अनुक्रिया सिद्धान्त का वर्णन कीजिए। इसके शैक्षिक निहितार्थ क्या है ?

3- व्यक्तित्व के प्रकार बताइए। व्यक्तित्व मापन की विधि प्रासंगिकता अन्तर्बोध परीक्षण का वर्णन कीजिए।

4- शिक्षा मनोविज्ञान के सम्प्रत्यय को स्पष्ट कीजिए। एक अध्यापक के लिए शिक्षा मनोविज्ञान का ज्ञान क्यों आवश्यक है ?

5- विशिष्ट बालक से आप क्या समझते है ? विशिष्ट बालक के विभिन्न प्रकार का वर्णन कीजिए।

6- अभिप्रेरणा क्या है ? कक्षा में अधिगमकर्ता की अभिप्रेरणा को बढ़ाने की व्याख्या कीजिए।

7- वृद्धि एवं विकास के अर्थ का वर्णन कीजिए। वृद्धि तथा विकास के सिद्धान्त बताइए।

Scanned with CamScanner

खण्ड - ब

8- (क) शिक्षा मनोविज्ञान के जीवन-इतिहास विधि का वर्णन कीजिए

(ख) पियाजे के संज्ञानात्मक विकास - सिद्धान्त का वर्णन कीजिए

9- (क) अधिगम को प्रभावित करने वाले कारकों का वर्णन कीजिए।

(ख) वृद्धि के सहज कारक सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए।

10- (क) बालक के भावनात्मक एवं संज्ञानात्मक विकास से आप क्या समझते हैं ?

(ख) 'किशोरावस्था तनाव की अवस्था है' स्पष्ट कीजिए।

11- (क) कोहलर द्वारा प्रतिपादित आकृतिगम के सूझ के सिद्धान्त को स्पष्ट कीजिए।

(ख) मापन और मूल्यांकन से क्या अभिप्राय है ?

12- (क) सीखने को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारकों का वर्णन कीजिए।

(ख) नीचे दिए गए आवृत्ति वितरण का मानक विचलन ज्ञात कीजिए

Class-Interval	45-49	40-44	35-39	30-34	25-29	20-24	15-19	10-14
Frequency	3	4	8	16	19	11	9	5

13- सह-सम्बन्ध से क्या समझते हैं ? यह कितने प्रकार का होता है। निम्न आकड़ों से सह सम्बन्ध की गणना कीजिए

TEST-I	75	38	80	30	72	78	27	65	31	40
TEST-II	83	56	36	60	40	52	90	42	62	48

Scanned with CamScanner

B.ed. Ist Paper - I Knowledge and curricula

(1) शिक्षा दर्शन को परिभाषित करते हुए शिक्षा और दर्शन के संबंधों को बताइये
या
"दर्शन और शिक्षा एक ही सिक्के के दो पहलू हैं।" स्पष्ट कीजिए।

2- दर्शन और शिक्षा एक दूसरे को किस प्रकार प्रभावित करते हैं?

3- आदर्शवाद को परिभाषित करते हुए शिक्षा के विभिन्न अंगों पर प्रभाव का वर्णन कीजिए।

4- प्रकृतिवादी शिक्षा की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन करते हुए रूसो एवं टैगोर के प्रकृतिवादी विचारों का वर्णन कीजिए।

5- प्रयोजनवादी शिक्षा दर्शन का मूल्यांकन कीजिए। पाठ्यक्रम निर्माण के प्रमुख सिद्धान्तों का वर्णन कीजिए।

6- वेदान्त दर्शन के सिद्धान्तों को बताते हुए इसके शैक्षिक विचारों की व्याख्या कीजिए तथा बताइये कि आधुनिक भारतीय शिक्षा को सही दिशा देने में कहाँ तक सहायक हो सकते हैं?

7- बौद्ध दर्शन के मूल सिद्धान्तों का वर्णन करते हुए अष्टांगिक मार्ग का वर्णन कीजिए।

8- 'शिक्षा समाज की आकांक्षाओं का प्रतिबिम्ब है।' आप इस कथन से सहमत हैं। उदाहरण देकर इसकी विवेचना कीजिए।

9- सामाजिक परिवर्तन को परिभाषित करते हुए इस प्रक्रिया में शिक्षा की भूमिका का वर्णन कीजिए।

10- राष्ट्रीय एकता और ~~भावात्मक~~ एवं अन्तर्राष्ट्रीय सद्भावना में अंतर स्पष्ट करते हुए इसके विकास में शिक्षा की भूमिका का वर्णन कीजिए।

11- शिक्षा द्वारा हम अपने देश को वास्तविक रूप से प्रजातान्त्रिक किस प्रकार बना सकते हैं? विद्यालयों में इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए क्या-2 ठोस कदम उठाए जाने चाहिए।

12- धर्मनिरपेक्षता को परिभाषित करते हुए भारतीय संविधान में वर्णित धर्मनिरपेक्षता ...

Scanned with CamScanner

B.Ed. I[st] Paper – I Knowledge and curricula

(1) शिक्षा ~~दर्शन~~ को परिभाषित करते हुए शिक्षा और दर्शन के संबंधों को बताइये

या

"दर्शन और शिक्षा एक ही सिक्के के दो पहलू हैं।" स्पष्ट कीजिए।

2- दर्शन और शिक्षा एक दूसरे को किस प्रकार प्रभावित करते हैं?

3- आदर्शवाद को परिभाषित करते हुए शिक्षा के विभिन्न अंगों पर प्रभाव का वर्णन कीजिए।

4- प्रकृतिवादी शिक्षा की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन करते हुए रूसो एवं टैगोर के प्रकृतिवादी विचारों का वर्णन कीजिए।

5- प्रयोजनवादी शिक्षा दर्शन का मूल्यांकन कीजिए। तथा पाठ्यक्रम निर्माण के प्रमुख सिद्धान्तों का वर्णन कीजिए।

6- वेदान्त दर्शन के सिद्धान्तों को बताते हुए इसके शैक्षिक विचारों की व्याख्या कीजिए तथा बताइये कि आधुनिक भारतीय शिक्षा को सही दिशा देने में कहाँ तक सहायक हो सकते हैं?

7- बौद्ध दर्शन के मूल सिद्धान्तों का वर्णन करते हुए अष्टांगिक मार्ग का वर्णन कीजिए।

8- 'शिक्षा समाज की आकांक्षाओं का प्रतिबिम्ब है।' आप इस कथन से सहमत हैं, उदाहरण देकर इसकी विवेचना कीजिए।

9- सामाजिक परिवर्तन को परिभाषित करते हुए इस प्रक्रिया में शिक्षा की भूमिका का वर्णन कीजिए।

10- राष्ट्रीय एकता और ~~भावात्मक~~ एवं अन्तर्राष्ट्रीय सद्भावना में अंतर स्पष्ट करते हुए इसके विकास में शिक्षा की भूमिका का वर्णन कीजिए।

11- शिक्षा द्वारा हम अपने देश को वास्तविक रूप से प्रजातान्त्रिक किस प्रकार बना सकते हैं? विद्यालयों में इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए क्या-2 कदम उठाए जाने चाहिए।

12- धर्मनिरपेक्षता को परिभाषित करते हुए भारतीय संविधान में वर्णित धर्मनिरपेक्षता ...

Scanned with CamScanner